सबके खिलाफ ...(व्यवधान)...

उपसभाध्यक्ष (श्री मोहम्मद सलीम): प्लीज़, समाप्त कीजिए।

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी: मैं समाप्त कर रहा हूं, एक सैकिंड और दे दें, मैं आपकी मजबूरी समझता हूं, मैं केवल एक सैकिंड और निवेदन करना चाहता हूं कि जो सी०आई०डी० ने मुकदमा दर्ज किया हुआ है और जिसमें तीन कैटेगरी जिन दोषी लोगों की बनाई हुई है, उनके भी नाम हैं। मैं बेहतर समझूंगा कि उस "इंडियन एक्सप्रैस" अखबार में, जिसमें कि उसके सब डिटेल तफ्सील में दिए हुए हैं, वहां के एक भूतपूर्व स्पीकर का भी नाम है और जो हमारे आजकल के यहां दो मंत्रीपद पर हैं, वह भी है, मैं चाहता हूं कि उसके अनुसार भी कार्रवाई हो। बहुत-बहुत धन्यवाद।

जल संसाधन मंत्री (श्री जनेश्वर मिश्र): उपसभाध्यक्ष महोदय, चूंकि माननीय सदस्य ने इत्तेफाक से हमारा नाम लिया है, वैसे तो इस तरह के विवाद में मंत्री को नहीं पड़ना चाहिए, मैं जानता हूं लेकिन चूंकि उन्होंने मेरा नाम लिया है ...(व्यवधान)...

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी: मजबूरी थी मेरी।

श्री जनेश्वर मिश्र: आपकी मजबूरी थी और मेरी भी मजबूरी है। उत्तर प्रदेश के कुछ अखबार के लोगों ने हमारा नाम लेकर के भाषण के नाम पर कुछ ऐसे शब्द छापे हैं, जो अपनी जिंदगी में भा०ज०पा० के मित्रों के लिए तो क्या, इन लोगों की तो मैं इज्जत करता हूं ..... मैं उन शब्दों को दोहराना नहीं चाहता क्योंकि वे शायद असंसदीय होंगे। जिन लोगों को उस नाम से पुकारा जाता है, उन लोगों के लिए भी उन शब्दों का इस्तेमाल मैं नहीं करता। मेरे मुंह से उस तरह के शब्द निकलें, उससे मैं बेहतर समझता हूं कि राजनीति छोड़ दूं। लेकिन उस तरह की बात छप गई और मैं दुःखी हुआ। ये विशेषण के नाम हैं, आदमी के गुणों के नाम हैं लेकिन गंदे नाम हैं। ऐसा जब छप जाता है तो दुःखी होना स्वाभाविक होता है। आप लोगों ने अपने ऊपर लिया होगा, राम-भक्तों ने अपने ऊपर लिया होगा। अखबार में छपा दिया हमारे मुंह से निकालकर, बिना निकले हुए भी। मैं उन शब्दों को कभी बोलता ही नहीं जिंदगी में। यह मेरी राजनीतिक संस्कृति ही नहीं है।

मुलायम सिंह का भाषण मैं बहुत ध्यान से सुन रहा था। एक बार भी उन्होंने कोई ऐसी बात नहीं कही जो लघु हो। मुंह से बातें निकलती हैं तो हमारे जैसा आदमी सुनता रहता है। हम बहुत संतुलित रहते हैं। कभी-कभी संतुलन खोना भी चाहते हैं सदन में तो उन्हें बताने के लिए कि तुमको ठीक करेंगे अपनी बातचीत से लेकिन उसमें कभी मंशा नहीं रहती ठीक करने की। आप हमारे विरोधी हैं, हम आपके विरोधी हैं। अगर हम चुनाव में या मैदान में या सम्मेलन में आपके खिलाफ बोलते हैं और आप हमारे खिलाफ बोलते हैं तो यह राजनीति का चरित्र है और यह चरित्र चलता रहेगा। इस पर बार-बार सरकार के किसी मंत्री को घसीटना या अखबार की किसी कटिंग में उसके नाम से क्या छप गया, उसको विवाद का मुद्दा बनाना ठीक नहीं है और जैसा ईश दत्त यादव जी ने बताया सी०आई०डी० और रमेश चन्द जी के बारे में, इन तथ्यों को अगर आप नहीं जानेंगे ...(व्यवधान)...

निखिल चक्रवर्ती का सम्मान मैं भी उतना ही करता हूं जितना आप करते होंगे। निखिल चक्रवर्ती ने जो लिखा है वह तो कोई रिपोर्टिंग हुई होगी तभी लिखा होगा। क्या यह सच नहीं है कि जिन दिनों आडवाणी जी सूचना और प्रसारण मंत्री थे, तब से आर०एस०एस० के बहुत से लोग इसमें भर्ती किए जाने लगे ...(व्यवधान)... क्या यह सच नहीं है ...(व्यवधान)...

उपसभाध्यक्ष (श्री मोहम्मद सलीम): हम दूसरा विषय ले रहे हैं, यह विषय खत्म हो गया। रामदेव भंडारी जी, आप बोलिए।

श्री ईश दत्त यादव: आप क्यों चिंतित हैं? जब कल्याण सिंह को सजा हुई तो आप चिंतित नहीं हुए ...(व्यवधान)...

उपसभाध्यक्ष (श्री मोहम्मद सलीम): ईश दत्त जी, बैठ जाइए। रामदेव जी, आप बोलिए।

RE. DEATHS DUE TO COLLAPSE OF A BUILDING UNDER CONSTRUCTION AT KOTLA MUBARAKPUR, DELHI.

श्री रामदेव भंडारी (बिहार): माननीय उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान 26 जुलाई को दक्षिण दिल्ली के कोटला मुबारकपुर में अवैध रूप से निर्माण किए जा रहे मकान के गिर जाने की दर्दनाक घटना की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। महोदय, मेरी जानकारी के अनुसार इस घटना में 14 निर्दोष लोगों की मृत्यु हुई और दर्जनों लोग घायल हो गए। महोदय, मृतकों में बच्चे तथा महिलाएं भी हैं। दिल्ली सरकार ने मृतकों के परिवार को 20-20 हजार रुपए तथा घायलों को 3-3 हजार रुपए की राहत देने की घोषणा की है। महोदय, थोड़े-थोड़े अंतराल पर दिल्ली में

कहीं न कहीं इस तरह का छोटा-बड़ा हादसा होता रहता है। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि दिल्ली में अवैध भवनों का निर्माण बेखटके, बिना किसी डर या भय से धड़ल्ले से हो रहा है। महोदय, इस पांच मंजिला इमारत का निर्माण भी अवैध ढंग से किया जा रहा था। इस भूखंड पर एक पुराना दो मंजिला मकान था जिसके ऊपर अवैध ढंग से 3 मंजिलें और बनाई जा रही थीं। इसके ऊपर भी एक और मंजिल बन रही थी। कुछ लोगों ने नगर निगम को शिकायत भी की थी मगर कोई कार्रवाही नहीं हुई थी। महोदय, कोटला मुबारकपुर में गिरी इमारत से एक बार फिर साफ हो गया है कि उपराज्यपाल के आदेशों के बावजूद दिल्ली में अवैध निर्माण का सिलसिला जारी है। नगर निगम, दिल्ली प्रशासन और दिल्ली पुलिस के संरक्षण में यह अवैध धंधा जमकर फल फूल रहा है। सुना जाता है कि इसमें कुछ राजनीतिज्ञों का भी संरक्षण है। महोदय, भवन निर्माण संबंधी नियम का खुल्लमखुल्ला मजाक उड़ाया जा रहा है, सरेआम नियम, कानून का उल्लघंन होते हुए भी नगर निगम के इंजीनियर और स्थानीय पुलिस अधिकारी आंखें मूंदकर बैठे हैं। इस प्रकार अवैध निर्माण में सबको हिस्सा दिया हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि साउथ एक्सटेंशन से सटे इलाकों में इन लोगों की लाबी सक्रिय है। वह इन मकानों को खरीदकर शॉपिंग कम्पलेक्स में बदलने की योजना लेकर निर्माण कार्य कर रहे हैं। अगर अवैध निर्माण को नहीं रोका गया तो भविष्य में इसी प्रकार निर्दोष लोगों की जान जाती रहेगी। महोदय, मेरा सरकार से कहना है कि इसकी उच्चस्तरीय जांच कराएं तथा इस घटना वाले क्षेत्र से जुड़े नगर निगम, दिल्ली विकास प्राधिकरण, दिल्ली पुलिस के विरुद्ध तुरन्त कार्रवाही करें तथा दिल्ली के सभी क्षेत्रों में जहां-जहां अवैध निर्माण कार्य चल रहा उसे रोके तथा वहां पर निर्मित भवन को तोड़ कर गिरादें। इन्ही शब्दों के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूं। आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI MD. SALIM): Before I call the next speaker, Shrimati Jayanti Patnaik, I would like to call the Finance Minister, Shri P. Chidambaram, According to the Revised List of Business, at 2.30 P.M., Shri P. Chidambaram would lay the Budget (Jammu and kashmir) 1996-97; and the Budget (Uttar Pradesh) 1996-97 on the Table of the House.

SHRI SATISH AGARWAL (Rajasthan): Mr. Vice-Chairman, Sir, I tried to verify from the Table Office about laying of the Budget (Jammu and Kashmir) 1996-97. What about the Vote on Account? Have we to pass that? Or just the Finance Minister is laying the Budget (Jammu and Kashmir) 1996-97 on the Table.

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): I am just laying it.

SHRI SATISH AGARWAL: I would like to know whether the Vote on Account Jammu and Kashmir has been passed. This is just for clarification. After all, Jammu and Kashmir is under President's rule. We are going to hold elections there somewhere in September or October. What about the Vote on Account for Jammu and Kashmir?

SHRI P. CHIDAMBARAM: This was presented to the Lok Sabha this morning; and I am laying a copy of that statement on the Table of this House. If I have to do anything more, I would first do it in the Lok Sabha, then, I would do it here.

THE BUDGET (JAMMU AND KASHMIR) 1996-97

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): Mr. Vice-Chairman, Sir, I lay on the Table a statement (in English and Hindi) of the estimated receipts and expenditure of the Government of Jammu and Kashmir for the year 1996-97 (Annual Financial Statement).

THE BUDGET (UTTAR PRADESH) 1996-97

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): Mr. Vice-Chairman, Sir, I lay on the Table a statement (in English and Hindi) of the estimated receipts and expenditure of the Government of Uttar Pradesh for the year 1996-97 (Annual Financial Statement).